Downloaded from www.studiestoday.com

1st periodic (03)

VI - हिन्दी पाठ - 3 नादान दोस्त

कहानी से

1. अंडे के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस ही में सवाल - जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उ० = केशव और श्यामा के मन में अंडे के आकार, रंग, संख्या, भोजन, उनमें से बच्चे कैसे निकलेंगे, बच्चों के पंख कैसे होंगे आदि सवाल उठते थे। वे आपस में सवाल - जवाब करके अपने दिल को तसल्ली इसलिए दे दिया करते थे क्योंकि उनके सवालों का जवाब देने के लिए अम्मा तथा बाबूजी के पास समय न था।

2. केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कॉर्निस पर क्यों रखे थे?

उ० = केशव और श्यामा को अंडे से बहुत लगाव था वे अंडे को सुरक्षित रखना चाहते थे, इसलिए केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मंगाकर कार्निस पर रखा।

3. केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडे की रक्षा की या नादानी?

उ० = केशव और श्यामा ने अपनी तरफ से चिड़िया के अंडे की रक्षा की थी। उन दोनों ने तो चिड़िया और अंडों को धूप से बचाने तथा उनके खाने - पीने का प्रबंध किया था पर उन्हें यह नहीं पता था कि उनके ऐसा करने से अंडे गंदे हो जाएंगे और चिड़िया उन्हें फेंक देगी।

कहानी से आगे

1. केशव और श्यामा ने अंडे के बारे में क्या - क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उ० = केशव और श्यामा ने अंडे के बारे में निम्नलिखित अनुमान लगाए -

(i) सब उन अंडे से बच्चे निकल आए होंगे।
(ii) चिड़िया इतना दाना कहाँ से लाएगी।
(iii) गरीब बच्चे इस तरह तो भूखे मर जाएंगे।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

I[st] periodic – (04)

VI – हिन्दी

यदि केशव और श्यामा की जगह मैं होता तो निम्नलिखित कार्य करता –

(i) बच्चे निकल आए हैं या नहीं ये देखता।
(ii) मैं उन ~~बच्चों~~ अंडों को छूता नहीं।
(iii) बच्चे निकलने का इंतजार करता।
(iv) बच्चे निकल आने पर ही वहाँ चावल तथा पानी की कटोरी रखता ताकि बच्चे भूखे-प्यासे न रहें।

2. माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उ०– दोपहर के समय में माँ पहले दोनों को सुलाकर सोती थी। वही समय ऐसा था जब वे बाहर आकर चुपचाप बच्चों को देख सकते थे। यदि माँ उनको देख लेती तो अंडों को हाथ न लगाने देती। इसलिए वे दोनों दोपहर में बाहर निकल आए।

उन्होंने माँ के पूछने पर भी बाहर निकलने का कारण इसलिए नहीं बताया क्योंकि केशव और श्यामा एक-दूसरे की पिटाई नहीं चाहते थे और वैसे भी दोनों ही इस कसूर में बराबर के हिस्सेदार थे।

3. प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उ०– इसका अन्य शीर्षक 'बच्चों की नादानी' या 'अंडे की हिफ़ाजत' हो सकता है।

****

Downloaded from www.studiestoday.com